

म.प्र. अस्पताल सहायक

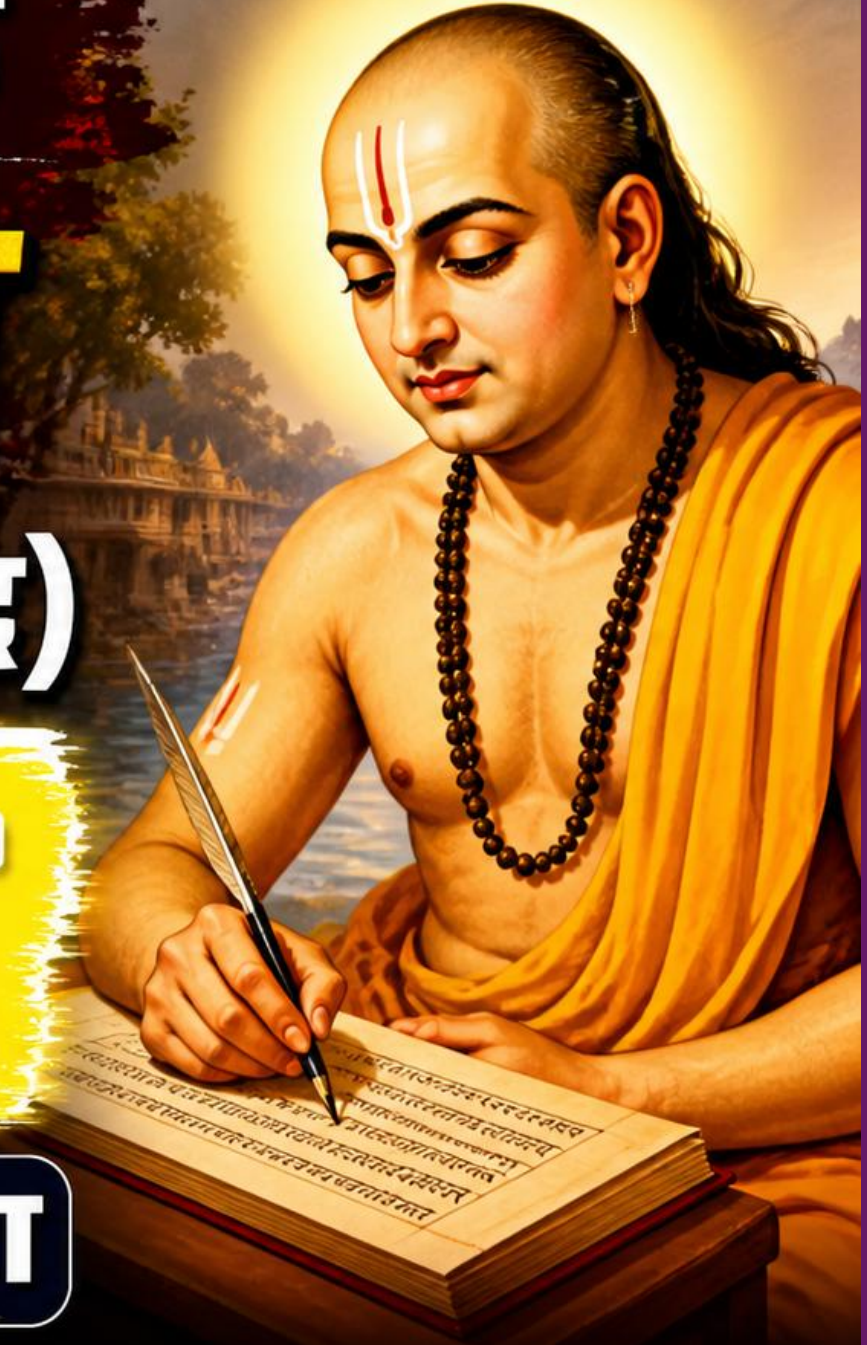
**तुलसीदास**

(राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद)

**टाॅप 50 प्रश्न**



इससे बाहर कुछ नहीं आएगा





# म.प्र. अस्पताल सहायक परीक्षा

★★★★★  
आपकी सफलता  
हमारा  
लक्ष्य

 परीक्षा पैटर्न  
पर आधारित

 अत्यंत महत्वपूर्ण  
प्रश्न संग्रह

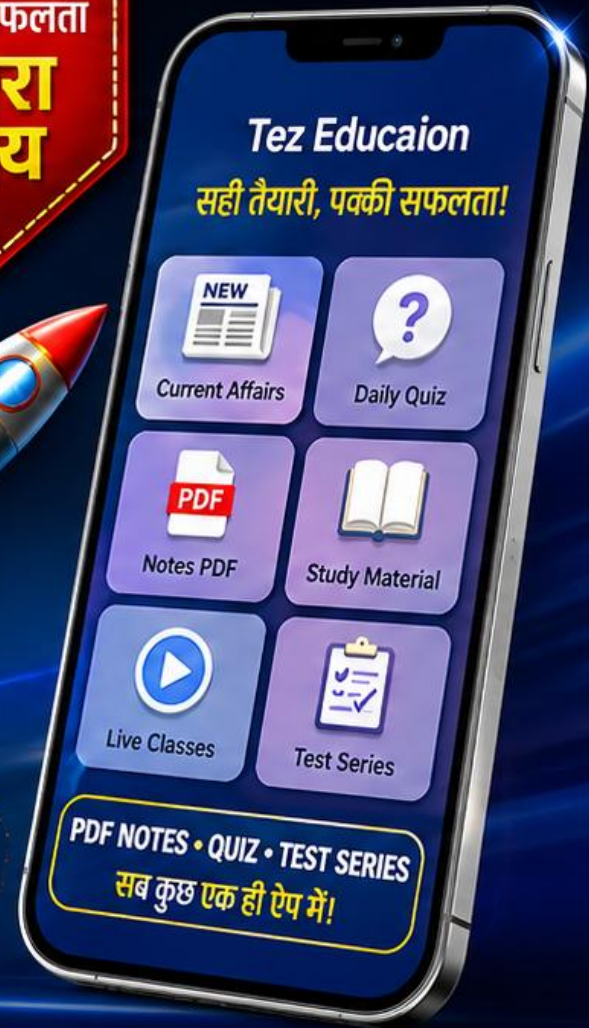
 PDF फॉर्मेट में  
सुविधाजनक

 तुरंत डाउनलोड  
करें, कहीं भी पढ़ें

**2500** ब्रह्मास्त्र  
प्रश्न PDF



मात्र **₹149/-** में



 **WhatsApp Group**  
जरूर जॉइन करें!

नं.- **8223811131**

ऐप जरूर डाउनलोड करें -

**Tez Education**

GET IT ON  
Google Play

**म.प्र. अस्पताल सहायक भर्ती**

**ब्रह्मास्त्र तैयारी**



**YouTube क्लास**

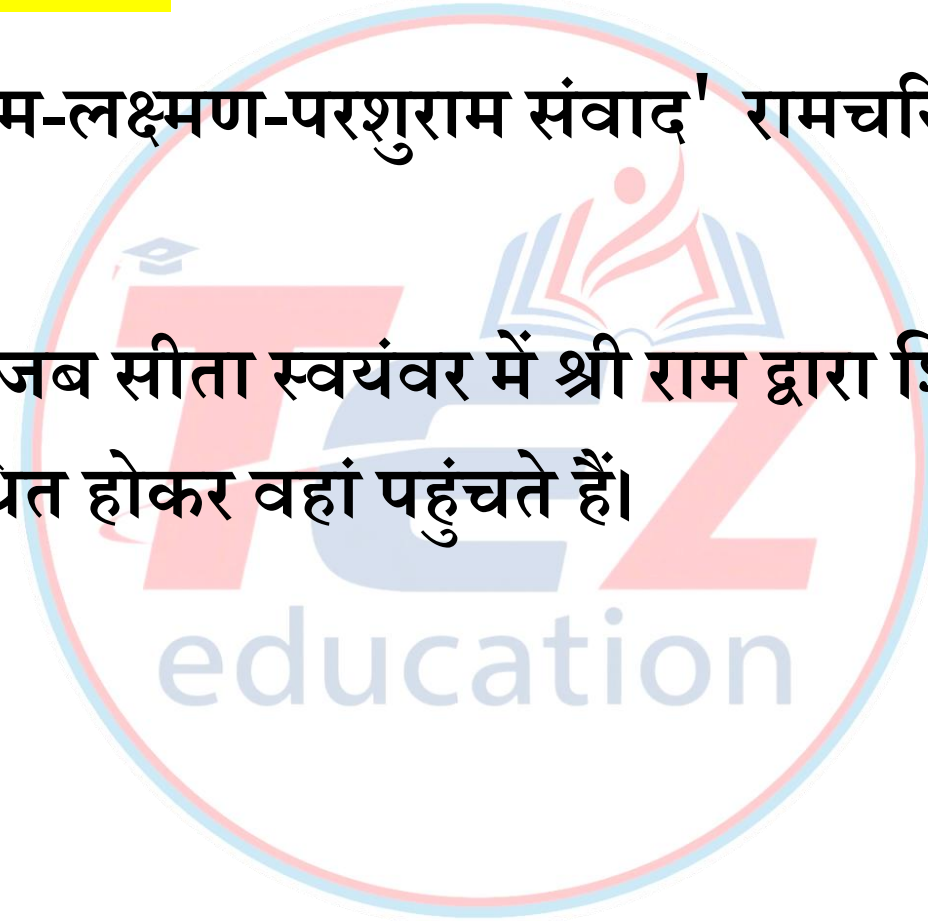


**PDF डाउनलोड करें**

## जीवन परिचय और सामान्य ज्ञान

तुलसीदास द्वारा रचित 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' रामचरितमानस के बालकांड से लिया गया है।

यह प्रसंग उस समय का है जब सीता स्वयंवर में श्री राम द्वारा शिव का धनुष टूट जाता है और परशुराम अत्यंत क्रोधित होकर वहां पहुंचते हैं।



## 1. प्रमुख पात्रों का स्वभाव

- . श्री राम: शांत, विनम्र और धैर्यवान। वे परशुराम के क्रोध को शांत करने का प्रयास करते हैं और स्वयं को उनका 'दास' बताते हैं।
- . लक्ष्मण: वाक्पटु (बोलने में चतुर), निडर और व्यंग्यवादी। वे परशुराम के क्रोध को अपनी बातों से और बढ़ा देते हैं।
- . परशुराम: अत्यंत क्रोधी, अभिमानी और पराक्रमी। वे अपनी वीरता का बखान बार-बार करते हैं और लक्ष्मण को मृत्यु का भय दिखाते हैं।

## 2. संवाद के मुख्य बिंदु

- . शिव धनुष का टूटना: परशुराम शिव धनुष को अपना आराध्य मानते थे। उसके टूटने पर वे इसे अपमान मानकर पूरे समाज का विनाश करने की धमकी देते हैं।
- . लक्ष्मण के व्यंग्य: लक्ष्मण तर्क देते हैं कि बचपन में हमने ऐसी कई 'धनुहियाँ' (छोटे धनुष) तोड़ी थीं, तब तो आप क्रोधित नहीं हुए? वे यह भी कहते हैं कि राम ने तो इसे केवल छुआ था और यह पुराना धनुष अपने आप टूट गया।

- . परशुराम का आत्म-प्रशंसा: परशुराम अपने फरसे (कुल्हाड़े) की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि उन्होंने कई बार इस पृथ्वी को क्षत्रिय विहीन किया है। वे लक्ष्मण को 'बालक' समझकर छोड़ देने की बात कहते हैं।
- . वीर योद्धा की परिभाषा: लक्ष्मण कहते हैं कि सच्चे वीर युद्ध के मैदान में अपनी वीरता दिखाते हैं, बातों से अपनी प्रशंसा नहीं करते (शूरीर और कायर में अंतर)।

### 3. महत्वपूर्ण काव्यगत विशेषताएँ (Exam में अक्सर पूछी जाती हैं)

- . **भाषा:** अवधी भाषा का प्रयोग।
- . **शैली:** संवादात्मक (Dialogue style) और व्यंग्यात्मक।
- . **रस:** मुख्य रूप से रौद्र रस (परशुराम का क्रोध) और वीर रस (लक्ष्मण का साहस) का प्रयोग।
- . **छंद:** चौपाई और दोहा।

. **अलंकार:** उपमा, रूपक, और अनुप्रास अलंकार का सुंदर प्रयोग (जैसे: कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा - उपमा अलंकार)।

. परशुराम के अनुसार, उनका फरसा कितना भयानक था? (उत्तर: गर्भ के बच्चों का नाश करने वाला)।

निष्कर्ष: यह पाठ हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में राम की तरह विनम्र होना चाहिए, क्योंकि क्रोध हमेशा विनाश का कारण बनता है। लक्ष्मण का चरित्र जहाँ अन्याय के प्रति विरोध दिखाता है, वहीं राम का चरित्र धैर्य की पराकाष्ठा है।

ये प्रश्न पाठ के मुख्य तथ्यों, काव्य सौंदर्य और घटनाक्रम पर आधारित हैं:

## पाठ और लेखक परिचय

1. प्रश्न: 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के रचयिता कौन हैं?

उत्तर: गोस्वामी तुलसीदास।

2. प्रश्न: यह पाठ तुलसीदास की किस महान कृति का अंश है?

उत्तर: रामचरितमानस।

3. प्रश्न: यह प्रसंग रामचरितमानस के किस 'कांड' से लिया गया है?

उत्तर: बालकांड।

4. प्रश्न: इस पाठ में मुख्य रूप से किस भाषा का प्रयोग हुआ है?

उत्तर: अवधी।

5. प्रश्न: पाठ में किन दो छंदों का प्रमुखता से प्रयोग हुआ है?

उत्तर: चौपाई और दोहा।

पात्र और उनके स्वभाव

6. प्रश्न: परशुराम के क्रोध को शांत करने का प्रयास किसने किया?

उत्तर: श्री राम ने।

7. प्रश्न: परशुराम के सामने स्वयं को 'आपका एक दास' किसने कहा?

उत्तर: श्री राम ने।

8. प्रश्न: लक्ष्मण का स्वभाव कैसा चित्रित किया गया है?

उत्तर: उग्र, निडर और व्यंग्यप्रिय।

9. प्रश्न: परशुराम अपने आप को किस कुल का द्रोही (शत्रु) कहते हैं?

उत्तर: क्षत्रिय कुल का।

10. प्रश्न: परशुराम के गुरु कौन थे?

उत्तर: भगवान शिव।

संवाद और तर्क

11. प्रश्न: परशुराम के क्रोध का मुख्य कारण क्या था?

उत्तर: शिव जी के धनुष का टूटना।

12. प्रश्न: लक्ष्मण ने पुराने धनुष के टूटने के पीछे क्या तर्क दिया?

उत्तर: कि यह छूते ही टूट गया, इसमें राम का कोई दोष नहीं।

13. प्रश्न: लक्ष्मण ने बचपन में तोड़ी गई धनुहियों का उदाहरण क्यों दिया?

उत्तर: परशुराम के क्रोध को अनुचित सिद्ध करने के लिए।

14. प्रश्न: परशुराम ने सहस्रबाहु की भुजाओं को किससे काटा था?

उत्तर: अपने फरसे से।

15. प्रश्न: परशुराम के अनुसार उनका फरसा क्या करने में सक्षम है?

उत्तर: गर्भ के अर्भक (बच्चों) का दलन (नाश) करने में।

16. प्रश्न: 'कुम्हड़बतिया' का अर्थ क्या है जो लक्ष्मण ने स्वयं के लिए उपयोग किया?

उत्तर: निर्बल या छुईमुई का पौधा जो उंगली दिखाने से मुरझा जाए।

17. प्रश्न: लक्ष्मण के अनुसार वीर योद्धा अपनी वीरता कहाँ दिखाते हैं?

उत्तर: रणभूमि (युद्ध के मैदान) में।

18. प्रश्न: परशुराम ने विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत क्या कहकर की?

उत्तर: कि यह बालक कुटिल और काल के वश में है।

19. प्रश्न: परशुराम ने अपनी भुजाओं के बल पर पृथ्वी को किसको दान कर दिया था?

उत्तर: ब्राह्मणों (विप्रों) को।

20. प्रश्न: 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा' में कौन सा अलंकार है?

उत्तर: उपमा अलंकार।

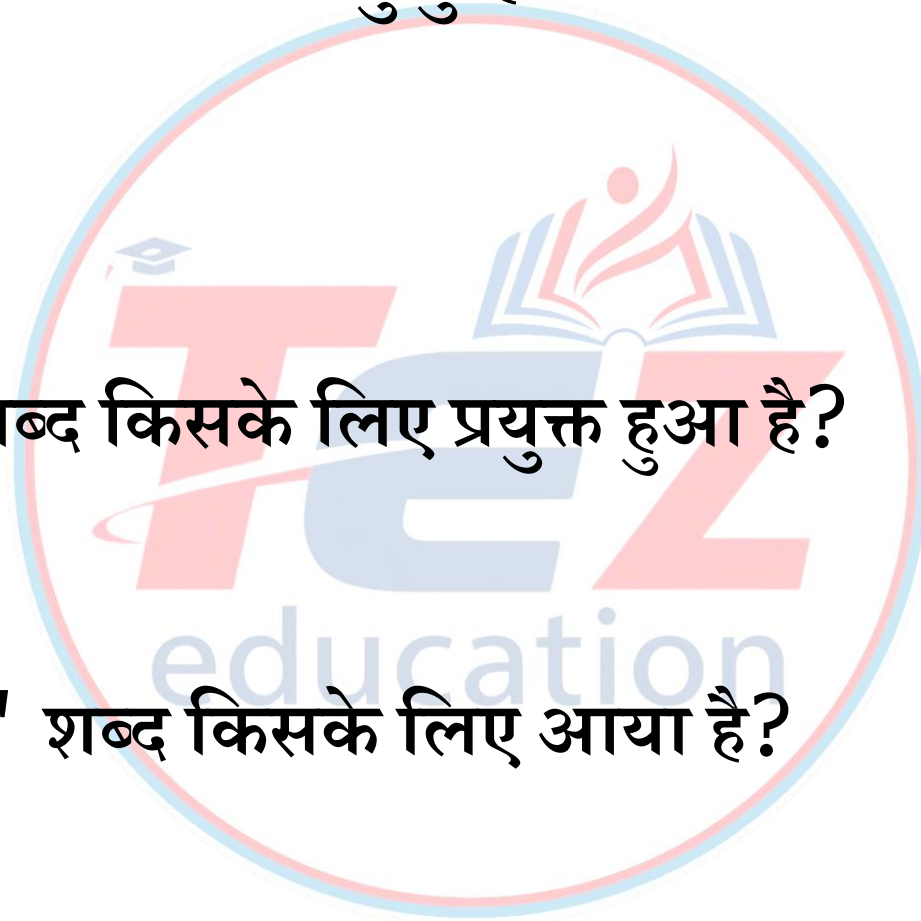
काव्य सौंदर्य और मुहावरे

21. प्रश्न: 'गाधिसूनु' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर: विश्वामित्र के लिए।

22. प्रश्न: 'भृगुकुलकेतु' शब्द किसके लिए आया है?

उत्तर: परशुराम के लिए।



23. प्रश्न: संवाद में परशुराम के क्रोध की अग्नि को किसने बढ़ाया?

उत्तर: लक्ष्मण के व्यंग्य वचनों ने।

24. प्रश्न: लक्ष्मण के वचनों को किसके समान बताया गया है?

उत्तर: करोड़ों वज्रों के समान कठोर।

25. प्रश्न: परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए 'जल के समान शीतल वचन' किसने बोले?

उत्तर: श्री राम ने।

26. प्रश्न: 'अयमय खाँड़ न ऊखमय' का अर्थ क्या है?

उत्तर: लोहे से बनी तलवार (राम-लक्ष्मण), न कि गन्ने की बनी खाँड़।

27. प्रश्न: परशुराम ने शिव धनुष की तुलना किससे करने पर आपत्ति जताई?

उत्तर: साधारण धनुही से।

28. प्रश्न: लक्ष्मण के अनुसार किस कुल में देवता, ब्राह्मण, भक्त और गाय पर वीरता नहीं दिखाई जाती?

उत्तर: रघुवंश (सूर्यवंश) में।

29. प्रश्न: 'बिहसि लखनु बोले मूदु बानी' में कौन सा रस झलकता है?

उत्तर: हास्य एवं वीर रस का पुट।

30. प्रश्न: 'कायर' व्यक्ति युद्ध में क्या करता है?

उत्तर: केवल अपनी वीरता की डींगें मारता है।

अति महत्वपूर्ण 'की-वर्ड्स' पर आधारित

31. प्रश्न: 'पिनाक' किसका पर्यायवाची है जो इस पाठ में संदर्भ देता है?

उत्तर: शिव धनुष का।

32.प्रश्न: परशुराम ने लक्ष्मण को क्या कहकर डराया?

उत्तर: यमराज का भय दिखाकर।

33.प्रश्न: 'रघुकुल भानु' किसे कहा गया है?

उत्तर: श्री राम को।

34. प्रश्न: परशुराम किस ऋषि के पुत्र थे?

उत्तर: ऋषि जमदग्नि के।

35.प्रश्न: 'बधजोगु' का अर्थ क्या है?

उत्तर: वध करने के योग्य।

36. प्रश्न: लक्ष्मण के अनुसार राम ने धनुष को किस धोखे से देखा था?

उत्तर: 'नये' के धोखे से।

37. प्रश्न: विश्वामित्र ने मन ही मन परशुराम की अज्ञानता पर क्या कहा?

उत्तर: कि मुनि को चारों ओर हरा ही हरा सूझ रहा है (सावन के अंधे की तरह)।

38. प्रश्न: शिव धनुष टूटने पर परशुराम ने राम से क्या करने को कहा?

उत्तर: समाज से अलग खड़े हो जाने को।

39. प्रश्न: 'कौसिक' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर: विश्वामित्र के लिए।

40. प्रश्न: परशुराम के वचनों में कौन सा गुण विद्यमान है?

उत्तर: ओज गुण।

अंतिम महत्वपूर्ण स्मरणीय तथ्य

41. प्रश्न: पाठ में परशुराम का क्रोध किस रस की निष्पत्ति करता है?

उत्तर: रौद्र रस।

42. प्रश्न: लक्ष्मण का मुख्य शस्त्र क्या था?

उत्तर: तर्क और व्यंग्य (साथ ही धनुष-बाण)।

43. प्रश्न: परशुराम ने लक्ष्मण को क्यों नहीं मारा?

उत्तर: केवल बालक समझकर।

44. प्रश्न: 'सुनु राम जेहि शिवधनु तोरा' - परशुराम ने किसके समान उसे शत्रु बताया?

उत्तर: सहस्रबाहु के समान।

45. प्रश्न: परशुराम के अनुसार लक्ष्मण अपने कुल के लिए क्या हैं?

उत्तर: कलंक (कलंकु)।

46. प्रश्न: 'लखन उतर आहुति सरिस' में कौन सा अलंकार है?

उत्तर: उपमा अलंकार।

47. प्रश्न: 'भृगुबर' किसे कहा गया है?

उत्तर: परशुराम को।

48. प्रश्न: धनुष के टूटने पर पूरी सभा की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर: 'हाय-हाय' की पुकार मच गई थी।

49. प्रश्न: 'अधोमुख' का अर्थ क्या है जो परशुराम ने क्रोध में किया?

उत्तर: सिर नीचा करना (लज्जा या क्रोध में)।

50. प्रश्न: इस पूरे प्रसंग का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: विनय और धैर्य की विजय तथा अहंकार का पतन।